CSIR in Media

Platinum Jubilee 1942-2016

75 Years of

CSIR Touching Lives

A Daily News Bulletin
27th to 31st November 2017

रुड़की सीबीआरआई में गरुवार को आयोजित कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक और छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

सीबीआरआई सभागार में जिज्ञासा शिक्षक कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि।

Produced by Unit for Science Dissemination, CSIR, Anusandhan Bhawan, 2 Rafi Marg, New Delhi

CSIR-CBRI

26th October, 2017

केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून के उपायुक्त ने सीबीआरआई में आयोजित सेमिनार में शिक्षकों का किया आह्वान

छात्रों को सही ज्ञान और मार्गदर्शन दें : सोमित

कार्यशाला

रुड़की | हमारे संवाददाता

केंद्रीय विद्यालय देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्वत ने कहा कि शिक्षक भगवान वाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लें। जिस तरह वाल्मीकि ने लवकुश जैसे होनहार शिष्य दिए, उसी तरह शिक्षक भी अपने छात्रों में ऐसी क्षमता को उभरने का काम करें।

सीबीआरआई में पूरे प्रदेश के केंद्रीय विद्यालयों के 60 शिक्षकों की दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ हुई। कार्यक्रम में जिज्ञासा के माध्यम से सालाना एक लाख छात्रों और एक हजार शिक्षकों में वैज्ञानिक प्रकृति सर्जन करने का संकल्प लिया गया।

रुड़की सीबीआरआई में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक और छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

रुड़की सीबीआरआई में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला में मंचासीन मुख्य अतिथि और अन्य लोग। ● हिन्दुस्तान

मुख्य अथिति केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षकों को छात्र-छात्राओं को सही ज्ञान और मार्गदर्शन देना चाहिए। इसके बाद वह शिक्षक, स्कूल और माता पिता सबका नाम रोशन करेंगे। विज्ञान को वक्त की जरूरत करार देकर उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच की जरूरत हर क्षेत्र में है। इसीलिए विज्ञान की विस्तृत जानकारी आवश्यक है। भाभा अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक कुलवंत सिंह ने कहा कि हर बच्चे के अंदर कोई न कोई हुनर होता है। हमें बस उसे पहचान कर उसे ही मजबूती देनी है। उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन का उदाहरण दिया। कहा कि हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में उनके बताए आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने भाभा अनुसंधान केंद्रों में चल रहे प्रोजेक्टों की भी जानकारी दी। इसके बाद डॉ. एसी द्विवेदी ने योरसेल्फ थ्रू मोटिवेटेड मिंडसेट्स और राजस्थान से आये बीके भगवान ने सकारात्मक विचारों से नैतिक मूल्यों को प्राप्त करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने की। डॉ. अतुल अग्रवाल और डॉ अरविंद सी ने आदित्य मिशन पर व्याख्यान दिए।

इस मौके पर पलक गोयल, डॉ अश्वनी मिनोचा, डॉ आभा मित्तल, प्रदीप चौहान उपस्थित रहे।

बच्चों ने पोस्टर बनाकर भ्रष्टाचार पर चोट की : रुड़की। सीएसआईआर-सीबीआरआई में बच्चों के लिए मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता को दो वर्गों में बांटा गया। प्रथम वर्ग में कक्षा 4 तक के बच्चे शामिल हुए तथा द्वितीय वर्ग में कक्षा 5 से 7 तक के बच्चे शामिल हुए। इसमें 25 से अधिक बच्चों ने बहुत ही सुंदर और आकर्षक पोस्टर बनाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के रंग बिखेरे।

सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शुक्रवार को समापन समारोह में जेएम नितिका खण्डेलवाल की ओर से पुरस्कार दिए जाएंगे। इस मौके पर सुरेंद्र कुमार नेगी, मनोज त्यागी, डा. प्रदीप चौहान, स्वाति कुलाश्री, एसके जखवाल, सूबा सिंह, मेहर सिंह, हरीश कुमार गायत्री देवी उपस्थित रहे।

वक्तव्य में मुक्ति और सुप्रिया ने मारी बाजी

रुड़की। केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव ने विद्यालय का निरीक्षण किया। प्राचार्य विपिन कुमार त्यागी और मुख्य अध्यापिका मृदुला शर्मा के निर्देशन में प्राथमिक विभाग के बच्चों ने मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर स्वागत किया। विद्यालय में जागरूकता और सतर्कता सप्ताह के अंतर्गत वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कनिष्ठ वर्ग में मुक्ति प्रथम, श्रेया द्वितीय और इल्मा तृतीय रहे। वरिष्ठ वर्ग में सुप्रिया प्रथम, पूर्वी द्वितीय और आशमा तृतीय रहीं। निर्णायक समिति में कल्पना गुप्ता, जयवीर सिंह और सुषमा रानी ठाकुर शामिल रहे।

Published in:
Dainik Jagran

CSIR-CBRI

26th October, 2017

शिक्षकों का स्थान भगवान से भी ऊंचा : गोपालकृष्णन

सीबीआरआई में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की।

सीबीआरआई में बृहस्पतिवार को दीप प्रज्ज्वलन और केंद्रीय विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ जिज्ञासा-उत्सुकता की खोज योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का शुभारंभ किया। अध्यक्षीय संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में शिक्षकों को गुरु कहा जाता है और उनका स्थान भगवान से भी ऊँचा माना गया है। अतः उन्होंने शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे अपने आचरण द्वारा इस सम्मान की गरिमा का आदर करें।

मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन उत्तराखंड के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के बारे में जानकारी दी। शिक्षकों से भगवान वाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लेते हुए विद्यार्थियों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

सीबीआरआई सभागार में जिज्ञासा शिक्षक कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि।

विशिष्ठ अतिथि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई के पदार्थ विज्ञान विभाग के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. कुलवंत सिंह ने शिक्षकों से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन व डॉ. मदन मोहन मालवीय के पद चिह्नों पर चलने का आह्वान किया। डा. अतुल ने जिज्ञासा कार्यक्रम का संचालन करते हुए इसका उद्देश्य बताया। सीएसआईआर दिल्ली के डॉ. एसी द्विवेदी ने कहा कि अभिप्रेरित अध्यापक मजबूत तथा प्रेरित राष्ट्र के निर्माण की धुरी होता है। माउंट आबू राजस्थान के बीके भगवान भाई ने सकारात्मक विचारों से नैतिक मूल्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस दौरान संध्या में विज्ञान प्रसार की टीम के निर्देशन में एक नाईट स्काई वॉच कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने मंगल, शनि आदि ग्रहों का अवलोकन किया। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक के विद्यार्थियों द्वारा जीवंत मॉडलों के माध्यम से विज्ञान प्रदर्शनी तथा वैज्ञानिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वीके त्यागी, अंजलि ठक्कर, डा. आभा मित्तल, डा. नीरज जैन, डॉ. आरके गोयल, श्री नि वा स , अमन, डॉ. सुवीर सिंह, पलक गोयल मौजूद रहे।

सीबीआरआई सभागार में जिज्ञासा शिक्षक कार्यशाला में मॉडल प्रस्तुत करती छात्राएं।

पोस्टर बनाकर भ्रष्टाचार मुक्त भारत की अलख जगाई

सीबीआरआई में बच्चों ने 'मेरा लक्ष्य भ्रष्टाचार मुक्त भारत' पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता को दो वर्गों में बांटा गया। प्रथम वर्ग में कक्षा 4 तक के बच्चे शामिल हुए और द्वितीय वर्ग में कक्षा 5 से 7 तक के बच्चे शामिल हुए। 25 से अधिक बच्चों ने बहुत ही सुंदर एवं आकर्षक पोस्टर बनाकर भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संदेश दिया। विजेताओं को शुक्रवार को आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक सुरेंद्र कुमार नेगी, सह संयोजक मनोज त्यागी थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. प्रदीप चौहान ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। स्वाति कुलाश्री, एसके जखवाल, सूबा सिंह, मेहर सिंह, हरीश कुमार, गायत्री देवी उपस्थित रहे।

Published in:
Amar Ujala

CSIR-IIP

31st October, 2017

Workshop on Energy From Economic Development concludes at IIP

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 30 Oct: A week-long British Council and Royal Society of Chemistry-funded Researcher Links Workshop, "Energy from Economic Development and Welfare" was held on 23-27 October under the Newton-Bhabha Programme. It concluded successfully, committing itself to bilateral co-operation between the early career researchers in the UK and India. The workshop was coordinated by Dr Jhuma Sadhukhan of the University of Surrey and Dr Thallada Bhaskar of the CSIR-Indian Institute of Petroleum.

Through the week, several researchers from the two nations made presentations on their research areas and projects. The UK researchers emphasised the importance of source segregation of waste and system/process Integration in order to effectively valorise into platform chemicals with multiple usages of their derivatives. The possibilities spanned a wide range of alternatives such as bio-fuels, cosmetics, pharmaceuticals, specialty chemicals, food ingredients, agrochemicals, pigments, bio-surfactants, bio-plastics, nutrients, sustainable energy such as solar and hybrid systems, bio-diversity and systems for resource recovery from wastes. Research impact and output were linked with the UN Sustainable Development Goals. Presentations from the UK also included sustainable toilet systems with energy generation, CO_2 reduction and resource recovery from industries in the UK for circular economy and sustainable construction. The Indian researchers presented thermo-chemical, bio-chemical, bio-technological and chemical systems for waste valorisation into multiple products, fuel additives, bio-fuel testing in real-time driving conditions and life-cycle assessment. They also showcased a range of innovations in catalytic systems, several of which have been patented. There was good synergy between various presentations showing complementary skills and expertise.

The workshop also included laboratory visits at CSIR-IIP to share complementary facilities, expertise and technologies having export potential with the UK researchers. Each day concluded with a round-table discussion that eventually led to seven exciting project concepts in the area of waste valorisation for circular economy, hybrid energy systems, economic growth and sustainability, all presented by the consortia evolved during the Workshop at the Valedictory Session. The researchers showed serious commitment towards co-operation between the two nations.

Last but not the least, a cultural performance by the Omm Dance & Music Institute, Dehradun, which consisted of Kathak, Odissi and mixed dance styles combined with an enriching experience of a tour to the Forest Research Institute, Dehradun, rounded off the week-long event.

Published in:
Garhwal Post

CSIR-CFTRI to mark 75th year and ink MoU with Akshaya Patra Foundation

CSIR-CFTRI 27th October 2017

CSIR- Central Food Technology Research Institute (CFTRI) will ink a Memorandum of Understanding (MoU) with Akshaya Patra Foundation. This is in sync with its New Delhi-based parent body, the Council of Scientific and Industrial Research's (CSIR) 75th anniversary (which falls on October 27, 2017 and will be celebrated on the CFTRI campus) and CFTRI's Foundation Day.

Under the MoU, a series of collaborative activities, such as developing innovative nutritional adjuncts as supplements under the Mid-day Meal (MDM) Scheme, internship programmes, customised training for MDM workers and enabling a policy framework to implementing robust malnutrition interventions by the Central and state governments, will be addressed.

While Jitendra J Jadhav, director, CSIR-CFTRI, will preside over the Foundation Day function, a lecture will be delivered to commemorate the occasion by Rakesh Kumar Sharma, director, DFRL, Mysuru. As part of the celebrations, the employees who have retired in the last one year, and those who have completed 25 years of service, will be felicitated.

Prizes will be distributed to the children of the staff for their outstanding performances in academics and sports, as well as to the winners of the various competitions held as a part of the celebrations. In addition to these, prizes will also be distributed to the winners of the competitions held as a part of the Hindi fortnight celebrations.

Published in:
Indian Express

CSIO signs MoU to train manpower

CSIR-CSIO 28th October 2017

Chandigarh: Agriculture Skill Council of India (ASCI) has signed a memorandum of understanding with CSIR-CSIO to train skilled manpower in agriculture and allied areas under Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY).

The MoU was signed by professor R K Sinha, director, CSIO, Chandigarh and Kamal Mohan Sodhi, director, north, Agriculture Skill Council of India. Sinha said the CSIO has well-equipped agrionics department for design and development of instruments used in agriculture sector and has transferred many technologies like electrostatic sprayer, grain moisture analyser and water testing kits to the industry recently.

Water and food sustainability is a major issue of highest importance for every country. Access to clean water and nutritious food is indispensable for human life. However, on the other hand, the resources are shrinking and population is increasing rapidly.

To address these issues, science and technology interventions are required but without having trained and skilled manpower, the sustainability can't be achieved. Also, from long the agriculture and allied sectors are suffering from non-availability of skilled labours.

To address this specific need of skilled labours issue, and provide youth certified employable skills, the CSIR-CSIO will assist Agriculture Skill Council of India. Under this partnership, CSIR-CSIO will impart training for generating sector specific skill development such as soil and water quality testing and analysis.

The objective of this Skill Certification Scheme is to enable a large number of Indian youth to take up industry-relevant skill training that will help them in securing a better

livelihood. Individuals with prior learning experience or skills will also be assessed and certified under Recognition of Prior Learning (RPL).

This partnership is a part of Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY), a flagship scheme of the ministry of skill development & entrepreneurship (MSDE) to benefit 10 million youths. This large pull of skilled manpower will be useful be it for increasing agriculture productivity or keeping fragile ecology secure.

Also, the trained manpower will make it possible to assess on-the-spot soil and water quality analysis resulting in to optimised soil and water management for enhancing agriculture productivity as well as ensure clean water availability.

This pull of skilled manpower is largely desired by central pollution control boards (CPCPs), krishi vigyan kendras (KVKs), private and public soil and water testing laboratories besides creating self-employment avenues.

Published in:
Times of India